Dabang Dunia (Indore), 13th December 2019, *DD-2*, P-1

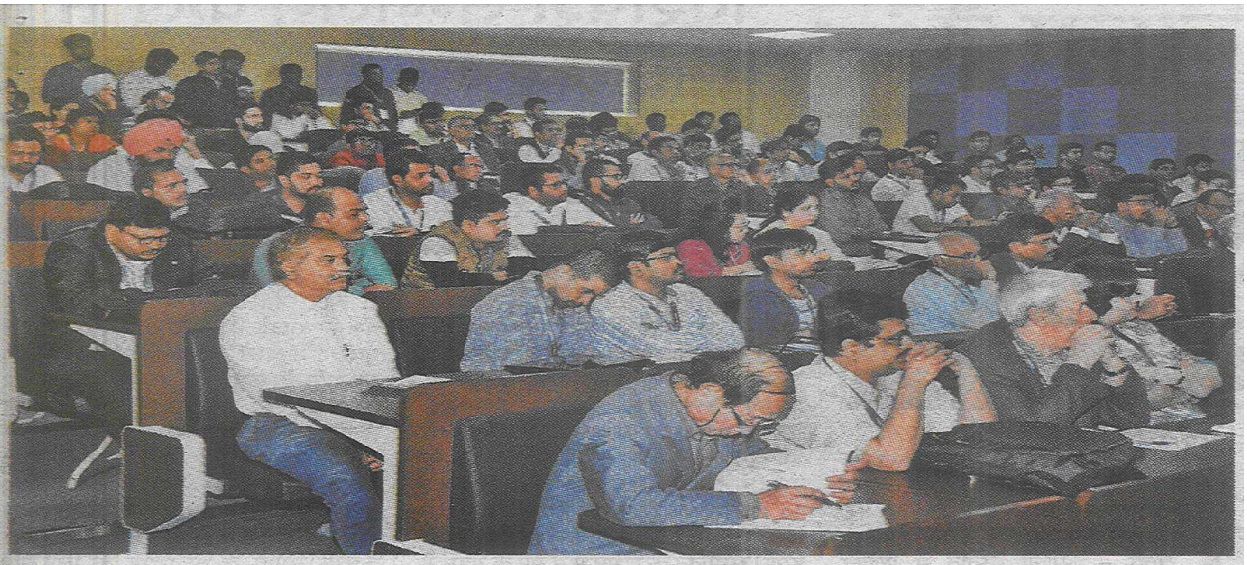

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास से साकार होगा मेक इन इंडिया

आईआईटी इंदौर में कोपन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ पर सीएमटीआई के निदेशक डॉ. नागहनुमैया ने कहा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर द्वारा गुरुवार से तीन दिवसीय मेसो, माइक्रो एंड नैनो इंजीनियरिंग (कोपन) की 11वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया गया। पहले दिन 300 से अधिक वैज्ञानिक और अकादमिक विद्यार्थी और उद्योग के पेशेवर कार्यक्रम में शामिल हुए।

यह कॉन्फ्रेंस प्रोफेशनल्स के बीच मल्टी स्केल मॉडलिंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग, उभरती हुई मैन्यूफैक्चरिंग टेक्निक्स आदि के बारे में चर्चा करने का बेहतर प्लेटफार्म है। जहां सटीक विनिर्माण, बहुस्तरीय मॉडलिंग और विनिर्माण, उभरती विनिर्माण तकनीक, माइक्रो मेक्ट्रोनिक्स, इंजीनियरिंग के लिए सामग्री प्रसंस्करण और स्मार्ट विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवरों के लिए वैज्ञानिक संबोधित कर रहे हैं।

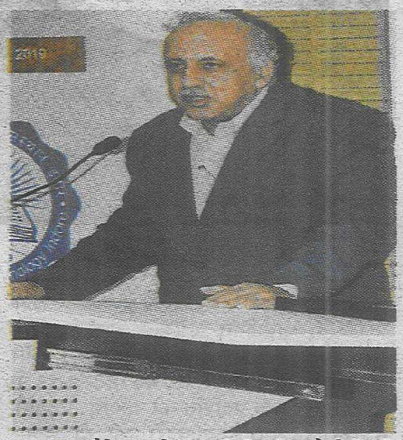

इस मौके पर केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान बंगलुरू (सीएमटीआई) के निदेशक डॉ. नागहनुमैया ने अपने उद्बोधन में माइक्रो नैनो विनिर्माण के क्षेत्र में उत्पादन तकनीकों और प्रमुख सक्षम प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में हाल के घटनाक्रमों का अवलोकन दिया, जो मैन्यूफैक्चरिंग के बड़े पैमाने पर निर्माण में कला की स्थिति की सीमाओं पर जोर देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश को मेक इन इंडिया को साकार करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास पर तैयार होने की आवश्यकता है।

सम्मेलन में रूस, जापान, ब्रिटेन, अमेरिका और सिंगापुर के विदेशी प्रतिभागियों सहित प्रतिनिधियों द्वारा 220 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे और 12 की-नोट स्पीकर्स के सेशन होंगे, साथ ही विदेश से आए प्रतिभागियों द्वारा 15 से अधिक डेमोंस्ट्रेशन दिए जाएंगे। सभी प्रतिनिधियों का स्वागत आईआईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर प्रदीप माथुर द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में माइक्रो और नैनो टेक्नोलॉजी की आवश्यकता की बात कही।

मेट्रोलॉजी की भूमिका बताई

सम्मेलन में मुख्य वक्ता टेक्सास ए एंड एम इंजीनियरिंग एक्सपेरीमेंटेशन स्टेशन (टीस) के डायरेक्टर प्रो. सतीश टीएस बुक्कापट्नम ने रिसेंट एडवांसमेंट इन डाटा साइंस एंड एआई फॉर इंडस्ट्री 4.0 विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक अभ्यास में उच्च आयामी, स्ट्रीमिंग डेटा की बढ़ती उपलब्धता के साथ अब एक विनिर्माण संयंत्र में आसन्न विसंगतियों और टूटने की भविष्यवाणी करना संभव है। मित्तुतोयो साउथ एशिया के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश बजाज ने उच्च इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में विशेष रूप से इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सक्षम मेट्रोलॉजी में सटीक निर्माण और मेट्रोलॉजी की भूमिका बताई। सम्मेलन के तहत प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का आयोजन 'प्रिसिजन माइक्रो', 'नैनो इंजीनियरिंग व स्मार्ट विनिर्माण' विषय पर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भूपेश एम लाड द्वारा किया गया। आभार डॉ. आईए पलानी ने माना।